मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 12

MTT–042

सिंधी–हिंदी–सिंधी अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. डी. एस. एच. एस. टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.टी.टी.–042 : सिंधी–हिंदी के विविध क्षेत्रों में अनुवाद

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिए गए हैं।*

---

1. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 20

(क) समाचार से आप क्या समझते हैं ? सिंधी समाचारों के हिंदी अनुवाद की चुनौतियों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

अथवा

(ख) सिंधी कथा साहित्य के हिन्दी अनुवाद की चुनौतियों पर प्रकाश डालिए।

2. निम्नलिखित सिंधी शब्दों के हिंदी पर्याय लिखिए : 5

(i)	इश्तिहारु	(ii)	सैरगाहु
(iii)	पधरु नामो	(iv)	उमीदवारु
(v)	इक्रारु	(vi)	हकु
(vii)	फार्मु	(viii)	अर्श
(ix)	हल्को	(x)	पुराणो

3. निम्नलिखित हिंदी शब्दों के सिंधी पर्याय लिखिए : 5

(i)	मेघ	(ii)	दर्पण
(iii)	स्वस्थ	(iv)	नेत्र
(v)	झूला	(vi)	जगह
(vii)	निविदा	(viii)	शुद्धि पत्र
(ix)	चीनी	(x)	विद्युत

4. (क) निम्नलिखित कहावतों/मुहावरों में से किन्हीं **पाँच** का हिंदी अनुवाद करते हुए उनका सिंधी वाक्यों में प्रयोग कीजिये : 10

(i) जहिड़ी करिणी तहिड़ी भरणी

(ii) खीरु खंडु थियणु

(iii) आसमान सां ग॒ल्हियूं करणु

(iv) थोड़ी खटए घणी बरक़त

(v) अमानत में खयानत

(vi) हवाई किला अड॒णु

(ख) निम्नलिखित कहावतों/मुहावरों में से किन्हीं **पाँच** का सिंधी अनुवाद करते हुए उनका हिंदी वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 10

(i) आँखों का तारा

(ii) नौ दो ग्यारह होना

(iii) आग में घी डालना

(iv) लोहे के चने चबाना

(v) घी के दिये जलाना

(vi) मुँह में पानी आना

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 4×10=40

(i) शक्तीअ जी महिमा सभिनी शास्त्रनि में कयल आहे। शक्तीवानु पुरुष जे ग़लत रस्ते वियो बि हली त हुन लाइ वापसि अचणु सवलो आहे ऐं मुमकिन बि आहे। वाल्मीकी ऋषि असुलु डाकू हो पर हुन में ब॒लु हो, पाण में यकीनो हो।

जहिं वेर हुन जूं अखियूं खुलियूं त मां जिनि लाइ फुरलुट थो करियां, से मुंहिंजा संगी न आहिनि त हुन जे सज॒ी जीवत पल्टो खाधो। बलवा मंगल नाले बि मश्हूर आहे त अयाशीअ पुठियां मस्त हो, पर उन मस्तीअ ऐं मन जे ज़ोरदार धारा हुनखे ज़बरदस्त कवि ऐं महा संत जी पदवीअ ते नेई अमरक रे छड॒ियो। हुनखे रुग॒ो ब॒ भेरा चमाट लग॒िणी हुई त अखियूं खुलन्स त मां छा करियां पियो, केड॒ांहं पियो गिहिलजी वञां। पाप जो

डंगु बलवान जे बल करे निकिरी थो वञे एं मर्ज़ एं मुसीबत जी कड़ाई हिमथ ऐं शक्तीअ जे मसालह हेठि फिरी माखी ऐं माज़ून थियो पवनि। महादेव जे मुकुट मां निकितल पवित्र गंगा में तपस्वीअ जे तप जो महानु बलु मौजूद आहे, जंहिं करे गंगा में वबा ऐं प्लेग जा क़ातिल जीवड़ा बि निसता थी वञनि।

(ii) सूचना/विवरण जूं विशेषताऊँ (ख़ूबियूं) (भाषा शैलीअ में भेदु)

हर हिक सूचना। विवरण जी भाषा शैली अलग–अलग थींदी आहे। विषम ऐं चवण जे अनुसार हर सूचना जो स्वरूप बि अलगु हूंदो आहे, इन करे भाषा शैलीअ में भेदु या तफ़ावत थींदो आहे। जीअं टेंडर जो ढांचों ऐं उन जे शब्दनि जी पंहिंजी अलग पहचान ऐं स्वरूप हूदों आहे त संघ लोक सेवा आयोग, रेल्वे भर्ती बोर्ड या रेल्वे में ख़ाली पदनि जे भरण जी सूचना ऐं इश्तिहारनि जी भाषा शैली अलग थींदी आहे। सैरगाहु या बी.एस.

एन.एल. द्वारा पंहिंजियुनि ख़ूबियुनि जी सूचना डि॒यण जी भाषा में इश्तहारनि जी भाषा–शैलीअ जी ख़ुश्बू मिलंदी आहे त रांदियुनि जी चटाभेटीअ जे सूचना जी भाषा शैली अलग॒ तरह जी हूंदी आहे। स्वास्थ्य विभाग॒ द्वारा कंहिं छूत (संक्रामक) बीमारीअ जे बचाव जे बारे में शाया सूचना जी भाषा संदेश/निर्देश डि॒यण वारी थींदी आहे।

(iii) साहिड़ीअ/दोस्त खे भाउ जी शादीअ में अचण जी कोठ

मालवीय नगर,

जयपुर (राज.)

तारीख़ : 15–02–2024

प्यारी राखी/राकेश,

खुश हुजीं शाल।

घणीअ सिक ऐं प्यार मां लिखिजे थो त हिते सभु सुखु आहे, तव्हां डा॒हुं पिणि ईश्वर जी कृपा सां सुखु आनंद हूंदो।

तोखे ब॒धी ड॒ाढी खुशी थींदी त मुंहिंजे भाउ जी शादी 08–03–2024 जुमे ड॒ींहु आहे। मां तोखे शादीअ शादी में अचण जी नीडं थी ड॒ियां त हिन शुभ कारज में अची ज़रुर शामिल थिजां। मूं पहिंजयुनि पुराणियुनि साहिड़ियुनि। दोस्तनि खे बि पिणि नींड ड॒िनी आहे। तूं बि ज़रुर–ज़रुर अचिजां, ड॒ाढी मौज मचाईंदासीं।

हिन शुभ मौके ते ज़रुर–ज़रुर अचिजां।

वड॒नि लाए इज्ज़त ऐं नंढनि लाए प्यारु।

प्यार मां तुंहिंजी

वर्षा

(iv) होड॒ांहुं ड॒िसो, हुन गुल जी शिकिल। मोटरुनि, स्कूटरनि ऐ कारुनि वग़ैरह जे दूंहे करे वेचारो मुरिझाइजी वियो आहे। ब॒ुधो ब॒ुधो, हू छा चई रहियो आहे–मां पंहिंजो दर्दु रुग॒ो तव्हां खे थो ब॒ुधाइणु चाहियां, छो जो अव्हीं अकुल वारा पढ़ियल लिखियल इंसान आहियो। अव्हां विज्ञान विषय बि पढ़ियो आहे। अव्हां जे कड॒हिं मुंहिंजो दर्दु न समुझंदा त ब॒ियो केरु समुझंदो ? असीं वण जा उज़िवा

आहियूं, पन असां जा भाउर आहिनि, जे सिज जी रोशनीअ में कार्बन–डाइ–ऑक्साईड खणी, अव्हां लाइ ऑक्सीजन छड॒े, अव्हां ही प्राण रख्या कनि था। पर अव्हां खेनि मोट में छा था ड॒ियो ? ऐतिरो त दूंहों, जंहिं में न रुग॒ो, कार्बन–डाइ–ऑक्साईड, पर बियूं केतिरियूं ख़तरनाकु गैसूं आहिनि, जे पननि खे पंहिंजो ख़ासि कमु करण खां रोकीनि थियूं। असां जा भाउर सभिनी साह वारनि जीवनि खां कार्बन–डाइ–ऑक्साईड खणी, उन्हनि खे ऑक्सीजन ड॒ेई सघनि था, पर आमदरफ़्त जे नवनि साधननि जे वधंदड़ दूहें जे करे एतिरी ऑक्सीजन ड॒ियणु मुश्किलु थी पियो आहे।

(v) सिन्धु शोध पीठ

महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

दि॰ तारीख़ : 28–05–2022

इश्तिहार न॰ एफ ( ) सिशोपी/मदसविवि/2022/943

सिंधी शोध पीठ, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर में, हेठि लिखियल पदनि

(उहिदनि) खे भरण लाइ हेठि ड॒िनल तफ़शील अनुसार फार्म घुराइजनि था :

पद कोड	पद जो नालो	पद जी संख्या	स्थिर पघार	उमिरि	ज़रूरी काबिलयत
1	उपनिदेशक	01	₹ 35,000/- हर महिने	30–65 साल	कंहिं बि भाषा में एम.ए. उपाधि सां गुड॒ु पीएच.डी. ऐं घटि में घटि 15 सालनि जो प्रशासनिक अनुभव ऐं सिंधी भाषा ग॒ाल्हाइणु में कुशलता।
2	अनुसंधान/ खोज अधिकारी	01	₹ 25,000/- हर महिने	30–65 साल	कंहिं बि विषय में पीएच.डी. ऐं घटि में घटि 5 सालनि जो शोध अनुभव ज़रूरी आहे, गड॒ु सिंधी भाषा में पूर्ण योग्यता।

3	अतिथि शिक्षक	02	विश्व–विद्यालय जे नियम अनुसार	30–65 साल	यू.जी.सी. जे नियम अनुसार योग्यताधारी या उच्च शिक्षा मां रिटायर्ड शिक्षक
4	सिंधु सभ्यता ऐं संस्कृतिअ ते शोध। खोज लाए शोधार्थी	04 शोध वृत्तियाँ	₹ 1,00,000/- वधि में वधि हिकु लखु रुपये ताईं	—	कंहिं बि विषय में पीएच.डी. या नेट/स्लेट योग्यताधारी।

फार्म सादे कागज़ ते सभिनी दस्तावेज़नि खे खुद सही करे तारीख 30 जून, 2022 ताईं सिंधु शोध पीठ ऑफीस वाल्मिकी भवन, म.द.स. वि. विद्यालय, अजमेर में ख़ुदुअची या पोस्ट द्वारा मोकिले सघिजेथो।

निदेशक

6. निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का सिंधी में अनुवाद कीजिए : 1×10=10

(i) आज का जीवन बहुत भाग–दौड़ वाला है। लोगों के पास समय की कमी है। ज़माना इतनी तेज़ी से आगे बढ़ रहा

है कि यदि व्यक्ति उसके साथ कदम–से–कदम मिला नहीं चले, तो वह पिछड़ जाएगा। यही कारण है कि व्यक्ति कम–से–कम समय में अधिक–से–अधिक बातें जान लेना चाहता है। कार्यालय में अधिकारियों के पास इतना समय नहीं होता है कि वे फाइलों एवं पत्रों को पूरी तरह से पढ़ें। वे कम–से–कम समय में अधिक से अधिक फाइलों और पत्रों को निपटा देना चाहते हैं। अधिकारी के पास इतना समय नहीं होता कि वह सभी फाइलें विस्तार से पढ़े, अतः वह संबंधित फाइल की सामग्री का सार प्रस्तुत करने का आदेश दे देता है। इस तरह की स्थितियों में सार बहुत मददगार सिद्ध होता है। सार को पढ़कर अधिकारी बड़ी जल्दी से ढेर सारी फाइलें निपटा देता है। सार को पढ़कर व्यक्ति अपनी रुचि का समाचार, लेख या कहानी चुन लेता है।

(ii) कहते हैं कि खुशी बाँटने से बढ़ती है और दुख कहने से कम हो जाता है। दैनंदिनी कार्यकलापों में सुख या दुख की जो अनुभूति होती है, वह अनायास ही व्यक्त हो जाती है। बीमारी के समय हमारे मुँह से 'हे राम!' या। अपने

इष्ट देव का नाम या दुख की अवस्था में कई बार 'ओ! माँ' निकल पड़ता है। इसी तरह के अनेक ध्वनि–संकेतों की सहायता से हम अपने विचारों को व्यक्त करने के लिए भाषा का सहारा लेते हैं। यह तो हुई मौखिक अभिव्यक्ति की बात। अब लिखित अभिव्यक्ति के लिए हमें चाहिए कि विचारों को क्रमबद्धता देकर अपने भावों के अनुकूल भाषा का प्रयोग करें। शुद्ध, स्वाभाविक और स्पष्ट लिखने का प्रयास करें। कई बार ऐसा होता है कि हम सोचते तो बहुत हैं मगर ठीक से लिख नहीं पाते। इसके लिए सबसे पहले किसी भी विषय पर हमें एकाग्र भाव से चिंतन मनन की ज़रूरत होती है। फिर वही चिंतन जब हमारे दिमाग में परिपक्व हो जाता है, तब विचारों के अनुकूल शब्दों का चुनाव किया जाता है और भाषा के सहारे लिखा जाता है।

× × × × ×